पीएम मोदी और ट्रंप सुलझाएंगे अहम मुद्दे, डिनर पर खास दोस्त की तरह बतियाते दिखे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ओसाका. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जी20 के इतर मुलाकात हुई. दोनों इस बात पर सहमत हुए कि वह दोनों मिलकर अहम मुद्दों को सुलझाएंगे. पीएम मोदी ने पहले ही साफ कर दिया कि वह ट्रंप के साथ मुलाकात में ईरान, व्यापार मुद्दे जैसे मसले उठाएंगे. दोनों इस बात पर सहमत हुए कि दिल?ली और वॉशिंगटन के बीच अच्छे संबंधों के लिए जरूरी है कि दोनों देशों के व्यापारिक रिश्ते अच्छे रहें. इसके लिए जल्द ही दोनों देशों के वाणिज्य मंत्री मुलाकात करेंगे. इसके लिए जल्द ही तारीख घोषित की जाएगी.

उधर जापान के प्रधानमंत्री ने ओसाका में शुक्रवार को

जी20 के नेताओं के लिए एक डिनर पार्टी का आयोजन किया. इसमें पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच खास बॉन्डिंग देखने को मिली. दोनों एक दूसरे के पास बैठे हुए थे. डनिर के दौरान वह डोनाल्ड ट्रंप से खास दोस्त की तरह बतयाते हुए दखिाई दिए. इस दौरान जब डोनाल्ड ट्रंप ने उनसे धीरे से कान में कुछ कहा तो पीएम मोदी जोर से ठहाका लगाते हुए दिखाई दिए.

इससे पहले पीएम मोदी और ट्रंप के बीच हुई बैठक में पीएम ने ईरान से संबंधित तनावों पर भारत की चिंताओं से डोनाल्ड ट्रंप को अवगत कराया. कहा कि क्षेत्र में अस्थिरता ऊर्जा के अतिरिक्त कई मायनों% में भारत को प्रभावित करती है. विदेश सचिव विजय गोखले ने कहा, प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति से कहा कि भारत ने ईरान से तेल आयात घटाया है, बावजूद इसके कि ईरान भारत की ऊर्जा का 11 प्रतिशत आपूर्ति करता है.

उन्होंने कहा, ईरान पर, प्राथमिक फोकस था. इस क्षेत्र में अस्थिरता हमें कई मायनों में प्रभावित करती है, न सिर्फ हमारी ऊर्जा जरूरतों के लिहाज से, बल्कि खाड़ी में मौजूद लगभग 80 लाख भारतीय प्रवासियों और आर्थिक हितों के संदर्भ में भी प्रभावित करती है. इसके अलावा भारत ने 5जी के मुद्दे पर भी चर्चा की. भारत की मुख्य चिंता इस बात को लेकर है कि वह चीन के हुआवेई के 5 जी का इस्तेमाल किया जाए या नहीं. हालांकि इस बैठक में रूस से खरीदे जाने वाले एस400 को लेकर कोई चर्चा नहीं की गई.

G20Summit: इवांका ट्रंप बोलीं, महिलाओं को आर्थिक समानता मिले तो अर्थव्यवस्था में आएगा बूम

G20Summit में महिला सशक्तीकरण पर भी एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें दुनिया के नेताओं ने भाग लिया। नेताओं ने पुरुषों और महिलाओं के बीच असमानता को कम करने पर जोर दिया।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ओसाका। G20Summit में शनिवार को महिला सशक्तीकरण पर भी एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें दुनिया के नेताओं ने भाग लिया। इस दौरान मेजबान देश जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे सहित सभी सदस्य देशों के नेताओं ने वित्तीय एवं अन्य आर्थिक क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के बीच असमानता को कम करने पर जोर देते हुए महिला सशक्तिकरण का समर्थन किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी और व्हाइट हाउस में सलाहकार इवांका ट्रंप ने भी इस कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यदि महिलाओं को आर्थिक समानता मिल जाए तो साल 2025 तक दुनिया की अर्थव्यवस्था बढ़ कर 28 ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी। इवांका ट्रंप ने महिलाओं की

स्थिति में सुधार करने को बेतहर आर्थिक नीति करार दिया। नीदरलैंड की महरानी और समेकित आर्थिक विकास पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव की विशेष दूत मैक्सिमा ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए असमानता की खाई को भरना जरूरी है।

महिला सशक्तीकरण पर आयोजित कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी भाग लिया। बता दें कि जी-20 अंतरराष्ट्रीय नेताओं का मंच है।

इसमें 19 देश और यूरोपीय संघ शामिल है। जापान के ओसाका में आयोजित होने वाला सम्मेलन जी-20 का 14वां संस्करण है। इसमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शिरकत की।

पीमए मोदी ने शनिवार को दुनिया के कई नेताओं के साथ व्यापार और रक्षा, सुरक्षा के मसले पर बातचीत की।

अमेरिका में नव-नाजीवादी को सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा, ये है आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन: अमेरिका में एक कार्यकर्ता की हत्या के दोषी नव-नाजीवादी को शुक्रवार को बिना पेरोल की संभावना के आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है.जेम्स एलेक्स फील्ड्स जूनियर (22) ने 12 अगस्त 2017 को वर्जीनिया के कार्लोटेसविल ने एक श्वेत वर्चस्ववादी रैली के दौरान अपनी कार प्रदर्शनकारियों के बीच घुसा दी थी, जिसमें 32 वर्षीय व्यक्ति हीथर हेयेर की मौत हो गई थी और 29 लोग घायल हो गए थे.

जेम्स को 29 घृणा अपराधों के लिये मार्च में दोषी ठहराया गया था, जिसमें मौत की संभावना को समाप्त कर दिया गया था. अमेरिका के अटॉर्नी थॉमस कुलेन ने कहा, अमेरिका के जिला न्यायाधीश ने आज दोपहर तय किया कि घरेलू आतंकवाद के इस कृत्य के परिणामस्वरूप, 29 घृणित अपराधों में दोषी फील्ड्स को संघीय जेल में अपना जीवन बिताना होगा.

अब वीडियो गॉगल के जरिये मरीज चक्कर के दौरान भी आंखों की गतिविधियों को रिकार्ड पर पाएंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मेलबोर्न। ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने एक छोटा वीडियो गॉगल बनाया है, जो वर्टिगो यानी चक्कर आने के दौरान आंखों की गतिविधियों की जांच कर वर्टिगो की असल वजह का पता लगाएगा। इससे वर्टिगो के मरीजों के इलाज में मदद मिल सकेगी। यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी और रॉयल प्रिंस अल्फ्रेड हॉस्पिटल के शोधकर्ताओं ने कहा कि वर्टिगो कहां और कब आ जाए कहा नहीं जा सकता और यह कई तरह का होता है। इसका इलाज तभी ज्यादा कारगर तरीके से हो सकता है जब चक्कर आने के दौरान मरीज के आंखों की गतिविधि की सही जानकारी मिल पाती है। उन्होंने कहा कि चक्कर आने का अंदेशा होने पर घर में भी मरीज वीडियो गॉगल को पहनकर अपनी आंखों की गतिविधि को रिकार्ड कर सकते हैं और इसके बाद वैज्ञानिक इस रिकार्ड की जांच कर यह बता सकते हैं कि मरीज को किस प्रकार का वर्टिगो है और इसका उपचार कैसे संभव हो सकता है।

इस गॉगल को यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टिबुलर के विज्ञान संकाय के हमीश मैकडॉगल ने बनाया है। न्यूरोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित हुए इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक मिरियम वेलगामपोला ने कहा कि अलग-अलग परिस्थितियों में वर्टिगो के भिन्न-भिन्न लक्षण हो सकते हैं। इसमें स्ट्रोक भी शामिल है, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि इसके कारणों की पहचान समय रहते की जाए।

वेलगामपोला ने कहा कि वर्टिगो मरीजों को अशक्त बना सकता है, इसीलिए यह जरूरी है कि समय रहते इस आंतरिक विकार का निदान किया जाए। उन्होंने कहा कि चक्कर आने के दौरान मरीजों के आंखों की जांच कर इसका इलाज किया जा सकता है, पर समस्या यह है कि जब मरीज डॉक्टर के पास पहुंचते हैं तो उस समय उन्हें दौरे नहीं पड़ते। लेकिन अब वीडियो गॉगल के जरिये मरीज चक्कर के दौरान भी आंखों की गतिविधियों को रिकार्ड पर पाएंगे।

वीडियो गॉगल की प्रमाणिकता की जांच के लिए शोधकर्ताओं ने दौरे के दौरान वर्टिगो मरीजों के आखों की गतिविधियां रिकार्ड की। ये सभी मरीज ऐसे थे जो सामान्य कारणों से वर्टिगो की समस्या से जूझ रहे थे। इस समूह में 43 लोग ऐसे थे जो मेनियर्स से पीड़ित थे। ये ऐसे मरीज होते हैं जिनकी श्रवण शक्ति या तो प्रभावित हो जाती है या क्षीण हो जाती है। 67 लोग वेस्टिबुलर माइग्रेन से पीड़ित थे और सात लोग पैरॉक्सिमल पोजिशनल वर्टिगो से ग्रस्त थे।

इसमें मरीज के सिर में दर्द होने लगता है और चक्कर आ जाता है। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में पाया कि अलग-अलग परिस्थितियों में वीडियो गॉगल से जांच के परिणाम भिन्न-भिन्न रहे और जो लोग मेनियर्स से पीड़ित थे जांच में उनके परिणाम सबसे सटीक रहे। इस अध्ययन के मुख्य लेखक एलीसन यंग ने कहा कि अध्ययन के परिणाम बताते हैं कि वीडियो गॉगल की फुटेज देखकर डॉक्टर आसानी से वर्टिगो का इलाज कर सकते हैं। भविष्य में ये गॉगल वर्टिगो पीड़ितों के इलाज में सहायक सिद्ध होंगे।